पिपुल्स समाचार 22.05.19

'संगिनी' की नई पहल, यूनिवर्सिटी के मानव संसाधन विकास केंद्र में कॉलेज शिक्षकों को योगदान के लिए किया प्रोत्साहित

डीएवीवी की अनूठी पहल, डोनेशन से होगा कैंसर पीड़िताओं का इलाज

कार्यक्रम के अंत में पद्मश्री डॉ. जनक पलटा का सम्मान किया गया।

आईएम इंदौर. रिपोर्टर
editor@peoplessamachar.co.in

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा स्तन कैंसर से महिलाओं को बचाने के लिए एक अनूठी पहल की शुरुआत की। यूनिवर्सिटी के मानव संसाधन विकास केंद्र में भारत के पांच प्रांतों के कॉलेज शिक्षकों को समाज में योगदान के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कैंसर डोनेशन से गरीब स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं के लिए इलाज की अनूठी पहल की गई। इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. जनक पलटा ने युवाओं को जीवन से जुड़े अनुभवों को साझा कर प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बताया कि ओपन हार्ट सर्जरी के बाद से चार कैंसर सर्जरी से भी गुजर चुकी हैं। इन सभी हादसों के बाद उन्होंने समाजसेवा का निर्णय लिया और गरीबों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया। इन बातों के माध्यम से उन्होंने युवाओं को समझाने का प्रयास किया कि जीवन सेवा और सहायता के लिए बना है। वे संगिनी के माध्यम से कैंसर पीड़ित महिलाओं की मदद करने का हरसंभव प्रयास कर रही हैं।

हार को जीत में कैसे बदलें

उन्होंने बताया कि जब मैं संगिनी कैंसर सोसाइटी से जुड़ी और इन महिलाओं की वेदना से भरी कहानियां सुनीं और स्वयं की कहानी भी सुनाई। इससे उन्हें जीवन में हार को जीत में बदलने का फलसफा सीखने को मिला। अनुराधा सक्सेना और प्रशिक्षिका रुपिका सान्याल ने बताया कि 15 महिलाएं निःशुल्क सेवा देती हैं, लेकिन गरीब व उपेक्षित कैंसर पीड़ित महिला के लिए दान से दवा व इलाज कराने में सहयोग देते हैं।

मदद की नई शुरुआत

डीएवीवी के मानव संसाधन विकास केंद्र की निदेशिका डॉ. नम्रता शर्मा ने आभार स्वरूप डोनेशन बॉक्स भेंट किया और सेंटर में एक डोनेशन बॉक्स लगा दिया। इस डोनेशन बॉक्स में आने वाली संपूर्ण राशि का उपयोग संगिनी में स्तन कैंसर के इलाज से जुड़ने वाली महिलाओं को सहायता देने में किया जाएगा। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को इलाज से जोड़ना है।